गीडा में अब दूर होगी पानी की परेशानी

पेयजल व सीवरेज की पाइपलाइन बिछेगी, कंसलटेंसी एजेंसी बनाएगी डीपीआर, बजट मिलने पर शुरू होगा काम

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। नए शहर का स्वरूप ले रहे गीडा क्षेत्र के सेक्टरों में अभी पेयजल के लिए पाइपलाइन नहीं डाली गई है। इससे फैक्टरियों को परिसर में 10 हजार लीटर पानी स्टोर रखना पड़ता है। यही नहीं सीवरेज पाइपलाइन न होने से भी काफी दिक्कतें हैं। पाइपलाइन के सर्वे और डीपीआर के लिए कंस्लटेंसी एजेंसी का चयन किया जाना है। इसके लिए टेंडर जारी हो गया है।

गीडा क्षेत्र का लगातार विस्तार हो रहा है। अब इसमें औद्योगिक और वाणिज्यिक सेक्टर के अलावा आवासीय सेक्टर भी विकसित हो रहे हैं। कालेसर में ओवरब्रिज के सामने नया आवासीय सेक्टर विकसित किया जाना है। इसके लिए जल्द ही आवंटन की प्रक्रिया शुरू होनी है। लेकिन अभी पूरे गीडा क्षेत्र में पेयजल व सीवरेज की लाइन नहीं है।

इस वजह से फैक्टरी मालिकों को अपने परिसर में आपात स्थिति के लिए न्यूनतम 10 हजार लीटर पानी स्टोर रखना पड़ता है। इसके अलावा पेयजल के लिए सभी ने खुद की बोरिंग करा रखी है। आवासीय सेक्टर में यह समस्या सबसे गंभीर है। इसे देखते हुए गीडा प्रशासन पूरे क्षेत्र के लिए पेयजल व सीवरेज लाइन डालने का निर्णय लिया है।

गीडा के अधिशासी अभियंता अजय राय ने बताया कि कंस्लटेंसी एजेंसी के चयन के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी किया गया है। स्थापना दिवस समारोह के बाद एजेंसी चयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यह एजेंसी पहले गीडा क्षेत्र का सर्वे करेगी, इसके बाद डीपीआर तैयार होगा। डीपीआर के आधार पर संभावित बजट के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

स्थानीय उत्पादों को मिले तवज्जो आने-जाने में न हो दिक्कत: सीएम

मुख्यमंत्री ने गीडा के स्थापना दिवस समरोह की तैयारियों की ली जानकारी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार देर शाम गीडा के स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की जानकारी ली। कमिश्नर ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा सीएम के सामने प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने स्टॉलों पर स्थानीय उत्पादों को तवज्जो देने और शहर से लेकर कार्यक्रम स्थल तक आने-जाने की सुविधा का विशेष ख्याल रखने का निर्देश दिया। समारोह में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रों को बुलाने की बात कही गई। गीडा के स्थापना दिवस समारोह में 30 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। दो दिवसीय प्रदर्शनी के लिए गीडा प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। रविवार देर शाम मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में स्थापना दिवस समारोह के तैयारियों की समीक्षा की। सीएम ने कहा कि शहर के अधिक से अधिक लोग आयोजन में शामिल हों, इसके लिए जरूरी है कि शहर से प्रत्येक एक घंटे सिटी बसें चलाई जाएं। ट्रेड शो में पूर्वी उत्तर प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को भी मंच देने को कहा। सीएम ने कहा कि जिस तरह बखिरा और पिपरौली के पीतल उत्पाद, खजनी के कंबल आदि की पहचान है, उसी तरह जिले के साथ ही साथ ब्लाक या कुछ क्षेत्र विशेष में भी ऐसे उत्पाद बनाए जाते हैं, जो उस जिले की पहचान है। ऐसे उत्पादों को भी प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मदन मोहन प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय समेत सभी विश्वविद्यालय, डिग्री कालेज के विद्यार्थियों को बुलाया जाएगा। ब्यूरो

ऑनलाइन व्यवसाय के गुर सीखेंगे गीडा के उद्यमी

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। गीडा के उद्यमियों को अपना उत्पाद देश व दुनिया भर के ग्राहकों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए गीडा प्रशासन ने स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन कार्यक्रम स्थल पर तीन विशेष सत्र आयोजित कराने की तैयारी शुरू की है। गीडा के सभी उद्यमियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही ट्रेनिंग देने के लिए बाहर से एक्सपर्ट की टीम बुलाई जा रही है।

आजकल सबसे अधिक खरीदारी लोग अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी ऑनलाइन साइट्स पर कर रहे हैं। इसीलिए तमाम कंपनियां अपने उत्पाद को इन साइट्स पर उपलब्ध करा रही हैं। इसे देखते हुए गीडा प्रशासन ने इस बार अपने स्थापना दिवस समारोह में दूसरे दिन तीन विशेष सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया है।

एक सत्र में उद्यमियों को ई कॉमर्स से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। सिखाया जाएगा कि कैसे वे अपने उत्पाद को वेबसाइटों के जरिये देश व दुनिया के सामने रख सकते हैं। इसके अलावा एक सत्र साइबर सिक्योरिटी का भी होगा।

स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन आयोजित होंगे तीन विशेष सत्र

सांस्कृतिक समारोह के लिए तलाशे जा रहे कलाकार

स्थापना दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। इसमें स्थानीय कलाकारों के अलावा कुछ बाहरी कलाकारों को भी बुलाने के लिए प्रयास चल रहे हैं।

फूड स्टॉल बनाएगा प्रदर्शनी को खास

समारोह में आने वालों को लजीज खाने का भी आनंद मिलेगा। इसके लिए प्रदर्शनी स्थल पर फूड जोन बनाया जाएगा। उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय व्यंजनों के अलावा चाइनीज फूड भी रहेगा। लिट्टी चोखा से लेकर डोसा-चाउमिन तक के स्टॉल शौकीनों को नए अवसर देंगे। चाँट-पकौड़ा से लेकर फिंगर चिप्स का आनंद भी मिलेगा।